

अनुसूची के गुण (merits of schedule) - सामाजिक

सर्वोच्च तथा अनुसंधान में अनुसूची एक महत्वपूर्ण उपधि प्रमाणा है। अन्य उपधियों की तुलना में इसकी प्रकृति अधिक स्वतंत्र और स्वयं में पूर्ण है। इस दृष्टिकोण से अनुसूची के गुणों को निर्माणात्मक रूप से समझा जा सकता है -

1) सही व विश्वसनीय सूचनाओं की प्राप्ति - अनुसूची एक ऐसी उपधि है जिसमें उपलब्ध साक्षात्कार तथा प्रत्यक्षी के गुणों का संयुक्त रूप से देखने की शक्ति है। एक ओर अनुसूची के प्रश्न अल्पपत्रों पर संक्षेप बनाम रखते हैं जबकि अल्पपत्रों को साक्षात्कार और उपलब्ध जा शेष-शेष उपकरण मिल जाने के कारण वह प्रश्न-उत्तर सूचनाओं की प्रमाणात्मकता को समझने में भी काफी सीमा तक सफल हो जाता है। इसके फलस्वरूप अनुसूची द्वारा प्राप्त सूचनाएं अधिक यथार्थ और विश्वसनीय होती हैं।

2) अस्पष्ट प्रश्नों की व्याख्या सम्भव - कौन-सी प्रश्न-पत्र लिखना भी सरल और स्पष्ट भाषा में क्या नहीं लिखते अनेक उत्तरदाता उसे सही ढंग से नहीं समझ पाते। यही कारण है कि प्रत्यक्षी में प्राप्त उत्तर अक्सर अर्थहीन ही रहते हैं। इसके विपरीत अनुसूची का प्रयोग करने के लिए अल्पपत्रों एवं उत्तरदाता से प्रश्न-सम्पर्क स्थापित करता है तो वह उत्तरदाता की सभी विचारधाराओं और शंकाओं का स्थापान करके अधिक सही सूचनाएं प्राप्त कर लेता है।

3) अल्पपतन में लौच का गुण - अनुसूची में रखे गये पशु अल्पपतन विशेष से सम्बन्धित लौच के कारण बुरे-सेवाहित अल्पपतन होते हैं परन्तु फिर भी उनमें लौच का गुण बना रहता है। अल्पपतनकी वधि यह अनुसूची करता है कि कुछ प्रशुओं में संशोधन की आवश्यकता है अल्प अनुसूची में भी कुछ प्रशुओं को निजालना या नये प्रशुओं को जोड़ना उपयोगी हो सकता है तो उसे अल्पपतन के दौरान ही सेवा करने का अवसर मिल जायगा है। यही कारण है कि अनुसूची की सहायता से अनेक बार ऐसे भी लक्ष्य प्राप्त हो जाते हैं जिनकी अल्पपतन से बुरे कहना नहीं की गयी थी।

4) अपलीकन की सुविधा - कौड़े भी केवलकालान्तर अपलीकन के बिना सम्भव नहीं होता - अनुसूची के अल्पपतनकी को यह सुविधा प्रदान करती है कि वह उत्तरपातकी से सुन्तानें स्थापित करने के साथ ही छलानों का स्वयं भी अपलीकन कर सके। इससे अधिकृत आधिकार अनुसूची तथा अपलीकन अनुसूची का साथ-साथ उपयोग करने भी कम समय में अधिक तर्कों का समूह किया जा सकता है।

5) अधिकतम प्रत्युत्तर - अनुसूची का एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि इस के द्वारा प्राप्त दिये गये उत्तरों का प्रतिकृत प्रशासकी की तुलना में बहुत अधिक होता है। अल्पपतनकी जब स्वयं उत्तरपातकी के सम्भव होता है तो उत्तरपात अपना समय निजाल ही लेता है।

6) तर्कों की आलेखन में स्वरूपता

7) सभी तर्कों के लिए उपयोगी